भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

IIT

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

हिन्दुस्तान

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 21.01.2019

आईआईटी बीएचयू में चौथे दिन राजपूताना ग्राउंड और स्वतंत्रता भवन में आयोजित हुई कई प्रतियोगिताएं

केके ने खुशनुमा कर दी रविवार की शाम

काशी यात्रा

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू के वार्षिकोत्सव काशी यात्रा के चौथे दिन रविवार की शाम बॉलीवुड गायक केके के नाम रही। शाम ढलने के साथ उनके गानों का जादू युवाओं में जोश से भर रहा था। उन्होंने भी एडीवी ग्राउंड पर जुटे हजारों छात्र-छात्राओं को निराश नहीं किया। उनके गानों पर युवा देर रात तक झूमते रहे।

केके ने जरा सी दिल में दे जगह तू, जरा सा अपना ले बना गाने से शुरुआत की। युवा दिलों तक अपनी गायकी से दस्तक देने वाले केके ने एक के बाद एक सुपर हिट गानों की प्रस्तुती दिया तो छात्र-छात्राओं ने भी ताली और सिटी बजाकर अपना उत्साह दिखाया। उनके मनोभाव को परखते हुए मत आजमा रे अपना बना रे, सुनाया तो दर्शको ने तालियों संग समर्थन किया। इसके बाद प्यार के पल, हम रहे या न रहे कल, कल याद आएगें पल, तूझे सोचता हूं मैं शामों सुबह, एक बिल्ली जैसी आंखों वाली लड़की तथा क्या सोचा और कहा अलविदा जैसे गाने सुनाए।

आईआईटी बीएचयू के एडीवी ग्राउंड पर रविवार की शाम गायक केके के गानो पर झूमती छात्राएं ।● हिन्दुस्तान

आईआईटी बीएचयू के एडीवी ग्राउंड पर रविवार की शाम गायन प्रस्तुत करते गायक केके ।● हिन्दुस्तान

दिन भर चले काशी यात्रा के कार्यक्रम में राजपूताना खेल मैदान में बना मंच नृत्य को समर्पित रहा तो संस्थान का सभागार संवेदनाओं की अभिव्यक्ति से। एक तरफ क्विज कंपटीशन चल रहा था तो दूसरी तरफ संभाषण की प्रतियोगिता में प्रतिभागी अपने शब्द संयोजन की क्षमता दिखाई। स्वतंत्रता भवन का सभागार अंग्रेजी हिंदी गानों के साथ हिप हाप को समर्पित रहा। फेस पेंटिंग में प्रतिभागियों ने पशु पक्षियों का अंकन किया तो जानवरों के प्रति क्रूरता की निंदा करने वाले स्लोगनों के साथ जंगल बचाओं का संदेश दिया। किसी के चेहरे पर शेर की मुखाकृति दिखी तो तितली व चिड़ियां के प्रति प्रेम भी दिखा। मोनो एक्टिंग से बिना बोले भाव भंगिमाओं से संवाद किया तो इस क्षमता को परखने वाले निर्णायक मंडल मे अभिनेता शिशिर शर्मा शामिल हुए। उधर स्वतंत्रता भवन में रंगबाजी प्रतियोगिता में हुनरबाजो ने बिना पेन, पेन्सिल का इस्तेमाल किए पेंटिंग बनाई। टूथ ब्रश व अंगुलियों से कल्पनाओं को साकार किया। वस्त्र-शिल्प प्रतियोगिता में कागज और फैब्रिक का इस्तेमाल कर प्रतिभागियों ने रचनात्मकता दिखाई। समूह डांस में प्रतिभागियों ने अदा बिखरा तो गोविन्दा के कोरियोग्राफर नीरज यादव और साहिल खान निर्णायक की भूमिका में थे।